अनुच्छेद में रिक्त स्थानों की पूर्ति

निर्देश : नीचे दिए गये अनुच्छेद में खाली स्थानों में दी गई प्रश्न संख्या से संबंधित प्रश्न में दिए गये विकल्पों में से उचित विकल्प चुनकर पूर्ति कीजिए

अनुच्छेद-1

प्रथम विश्वयुद्ध में रूप की भागीदारी और क्रांति के बाद गृहयुद्ध तथा विदेशी **...(1)...**के लंबे काल ने देश की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह तहस-नहस कर डाला था। यह जनता के लिए अत्यधिक**...(2)...**कष्ट का काल था। भोजन की भयानक कमी थी। औद्योगिक वस्तुओं का**...(3)...**युद्ध-पूर्व के स्तर के बहुत नीचे चला गया था। इस भयानक अभाव के दौर में वस्तुओं के**...(4)...**को न्यायोचित बनाने के लिए कुछ कठोर उपाए अपनाए गए। किसानों से उनकी अपनी आवश्यकताओं से**...(5)...**पैदावार ले ली जाती थी। इस अधिक पैदावार को बाजार में बेचने की**...(6)...**उन्हें नहीं थी वेतन का नकद**...(7)...**बंद कर दिया गया और इसकी बजाए वेतन खाद्य पदार्थों तथा कारखानों के माल आदि के रूप में दिया जाने लगा। इन**...(8)...**के कारण किसानों तथा समाज के दूसरे वर्गों में **...(9)...**फैला, पर उन्हें क्रांति की रक्षा के लिए**...(10)...**मान लिया गया।

1. (a) आवागमन (b) व्यापार (c) हस्तक्षेप (d) पूंजी निवेश
2. (a) आर्थिक (b) शारीरिक (c) अनार्थिक (d) मानसिक
3. (a) पूर्ति (b) उत्पादन (c) खपत (d) निर्माण
4. (a) गुणवत्ता (b) कीमत (c) टिकाऊ (d) मूल्यों
5. (a) अधिक (b) अति (c) अत्यधिक (d) कमी
6. (a) आज्ञा (b) निषेध (c) अनुमति (d) आपत्ति
7. (a) प्रदान (b) भुगतान (c) देय (d) निरूपण
8. (a) शोषण (b) प्रताड़ना (c) दंड (d) उत्पीड़न
9. (a) विषाद (b) संतोष (c) असंतोष (d) दु:ख
10. (a) काफी (b) अधिकांश (c) कारण (d) पर्याप्त

अनुच्छेद-2

विवेकानंद संघर्ष से नहीं भागे थे। विजय के क्षण से भी नहीं विमुख हुए। उनका कहना था कि वह मेरा नहीं मेरे लक्ष्य का सम्मान है और ईश्वर ही जिसका एकमात्र**...(11)...**था। ऐसे एक अपरिग्रही, अनाम, अनिकेतन संन्यासी के राष्ट्रव्यापी सम्मान के असाधारण**...(12)...**को उन्होंने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया। उन्होंने अपने पुनीत अभियान की**...(13)...**के लिए अपने साधन संगठित किए। वह स्वयं रुग्ण थे और उन्हें**...(14)...**हितकर होता। परन्तु उन्होंने अतिमानवीय परिश्रम किया। वह जिस पथ से गए**...(15)...**व्याख्यानों द्वारा अपनी ज्योति चारों ओर प्रसारित करते गए। भारत ने ऐसे**...(16)...**एवं मधुर भाषण इससे पहले कभी नहीं सुने थे। अतएव सारा देश**...(17)...**हो उठा। वह धरती के दूसरे लोक में अभियान करके एक सम्पूर्ण**...(18)...**लेकर लौटे थे। पश्चिम के सम्पर्क ने भारत की आत्मा का सच्चा**...(19)...**करने की उन्हें और भी सामर्थ्य प्रदान कर दी थी। दूसरी ओर**...(20)...**के पौरुष और वैविध्य के लिए भी उनके मन में आदर जागृत हुआ था। दोनों ही उन्हें एक समान महत्वपूर्ण प्रतीत हुए, क्योंकि दोनों परस्पर पूरक थे।

11.
(a) प्रबल (b) उपकरण (c) अधिकरण (d) सम्बल

12.
(a) लक्ष्य (b) विशेषता (c) प्रयोज्य (d) अभिप्राय

13. (a) प्रगति (b) क्षमता (c) सामर्थ्य (d) प्रस्तुति
14. (a) स्वास्थ्य (b) अभिराम (c) विश्राम (d) अविराम
15. (a) विलक्षण (b) अवसन्न (c) विच्छिन्न (d) नैसर्गिक
16. (a) मृदु (b) तेजस्वी (c) तपस्वी (d) ओजस्वी
17. (a) स्तब्ध (b) ओदोलित (c) निस्तब्ध (d) विह्वल
18. (a) विभाव (b) प्रयोग (c) अनुभाव (d) अनुभव
19. (a) अनुसरण (b) अनुकरण (c) अनुभावन (d) अनुधावन
20. (a) पश्चिम (b) पूर्व (c) अपूर्व (d) अतीत

अनुच्छेद-3

आज प्राकृतिक संतुलन नष्ट किए जाने पर गम्भीर चिन्ता व्यक्त की जा रही है। प्रकृति की चिन्ता करने वाले अधिकांश लोगों का दृष्टिकोण**...(21)...**ही है। उन्हें प्रकृति की चिन्ता केवल इसलिए है कि**...(22)...**दूषित होने से लोगों के सामान्य स्वास्थ्य पर संकट के**...(23)...**छा जायेंगे। तरह-तरह की बीमारियाँ बढ़ रही है, विषैले**...(24)...**निरन्तर फैल रहे हैं और अधिकांश लोगों की रोग प्रतिरोधक**...(25)...**समाप्त होती चली जा रही है। कतिपय लोग**...(26)...**साधनों के घटते चले जाने को लेकर अत्यधिक चिंतित हैं।**...(27)...**ने मिट्टी की उत्पादकता नष्ट कर दी है। वनों के**...(28)...**से पानी का अकाल पैदा हो गया है। वातावरण में**...(29)...**बढ़ता जा रहा है। बढ़ते प्रदूषण ने ओजोन के सामने**...(30)...**पैदा कर दिया है। लोगों की इस चिन्ता के पर्यावरण सुरक्षा सम्बन्धी अल्पाधिक परिणाम भी दृष्टिगत होने लगे हैं।

21. (a) प्रगतिवादी (b) अध्यात्मवादी
(c) समझौतावादी (d) उपयोगितावादी
22. (a) ओजोन (b) पर्यावरण (c) ऑक्सीजन (d) वायुमण्डल
23. (a) बादल (b) अम्बर (c) वितान (d) तूफान
24. (a) कीटाणु (b) स्थाणु (c) जीवाणु (d) परमाणु
25. (a) अर्हता (b) अहंता (c) समता (d) क्षमता
26. (a) प्राकृतिक (b) अप्राकृतिक
(c) अति प्राकृतिक (d) वैज्ञानिक
27. (a) वातयानों (b) खलिहानों (c) रसायनों (d) मेजबानों
28. (a) छँटने (b) कटने (c) हटने (d) बढ़ने
29. (a) ताप (b) संताप (c) उत्तम (d) अनुताप
30. (a) आन्दोलन (b) समाधान (c) संघर्ष (d) संकट

अनुच्छेद-4

अपने पाठकों का**...(31)...**हम पुन: चिन्तन-भूमि स्तम्भ तथा उन आलेखों की ओर खींचना चाहेंगे, जिनमें निरन्तर बुनियादी सवालों पर नए ढंग से सोच-विचार हुआ है। आज की दुनिया में**...(32)...**वैचारिक उथल-पुथल, चुनौतियाँ और हमारे लिए सम्भव कुछेक उत्तर इन आलेखों में मिलते हैं। कुछ अपरिचित शब्दों का प्रयोग कभी-कभी हमारे पाठकों**...(33)...**को लगता है, लेकिन सोच-विचार से अगर भय न हो तो इन नए प्रत्ययों/शब्दों से**...(34)...**नहीं होना चाहिए। दरअसल भाषा को बिल्कुल मामूली रोजमर्रापन के सौ-पचास शब्दों में**...(35)...**कर देने की जो बेहूदा माँग गाहे-ब-गाहे सुन पड़ती है, उस पर अगर पाठक गौर करें तो पायेंगे कि तथाकथित सरल भाषा एक निहायत**...(36)...**भाषा

है। अपनी भाषा से जिन्हें प्रेम है, वे लोक-समाज, शहर-देहात, शास्त्र-साहित्य, देश-विदेश के ऊर्जा जल से अपनी भाषा की जड़े...(37)...करने में तत्पर ही होंगे, विरत नहीं। कोरी मानसिक कवायद के लिए नहीं, लेकिन बाह्य और...(38)...संसार के पेंच-ओ-खम समझने के लिए, उन्हें सटीक अभिव्यक्ति देने के लिए और इस तरह भाषा-साहित्य जीवन को...(39)...करने के लिए जरूरी है कि भाषा अपनी मूल प्रकृति को बरकरार रखते हुए अपनी आँखें और कान...(40)...रखे।

31. (a) मन (b) विचार (c) ध्यान (d) मनोबल
32. (a) जारी (b) सोये (c) खोये (d) गुजरे
33. (a) असम्भव (b) पुराना (c) अच्छा (d) भारी
34. (a) मेल (b) भय (c) अपनाया (d) परिचय
35. (a) कैद (b) उपेक्षित (c) नजरअंदाज (d) प्रचलित
36. (a) ओजस्वी (b) दरिद्र (c) प्रचण्ड (d) सक्षम
37. (a) अस्पष्ट (b) उथली (c) कमजोर (d) पुष्ट
38. (a) अंतरंग (b) ऊपरी (c) बाहरी (d) आकर्षक
39. (a) विलीन (b) परिचित (c) समृद्ध (d) बलिष्ठ
40. (a) खराब (b) बंद (c) स्पष्ट (d) खुले

अनुच्छेद-5

प्रसे समाज के...(41)...की एक महत्वपूर्ण शक्ति होती है। यह देश के एक भाग की जनता को दूसरे भागों मे हो रही...(42)...से परिचित कराती है। विभिन्न ...(43)...के बारे में ज्ञान के प्रसार का यह एक महत्वपूर्ण...(44)...है। किसी काल के...(45)...विषयों पर जनमत तैयार करने का भी यह साधन है। समाज सुधार के...(46)...में और शासन के कार्यों को प्रभावित करने में भी इसकी सहायता महत्वपूर्ण होती है। जनहित के...(47)...पर जनता के विचारों की अभिव्यक्ति के लिए यह एक मंच का कार्य करता है। भारत में प्रेस का विकास उन्नीसवीं सदी के आरंभिक वर्षों में आरंभ मे हुआ और इसने जनता को...(48)...बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत का पहला समाचार-पत्र 1780 में स्थापित बंगाल गजट था।

41. (a) संगठन (b) ऐक्य (c) एकीकरण (d) एकता
42. (a) सूचनाओं (b) घटनाओं (c) आपदाओं (d) जटिलताओं
43. (a) समस्याओं (b) बाधाओं (c) अवरोधों (d) मुसीबतों
44. (a) मध्यम (b) माध्यम (c) मीडिया (d) मार्ग
45. (a) महत्वपूर्ण (b) महत्वाकांक्षी (c) मुख्य (d) गुरु
46. (a) प्रयासों (b) अनुष्ठानों (c) प्रयोगों (d) अभियानों
47. (a) मुद्दों (b) विषयों (c) बातचीत (d) कार्यकलापों
48. (a) रचनात्मक (b) कलात्मक (c) जागृत (d) तत्पर

अनुच्छेद-10

समाचार-पत्र आधुनिक जीवन की आवश्यकता है और आज के जीवन की महान शक्ति। समाचार-पत्र जन साधारण के विचारों को...(49)...करने का साधन है। समाज, देश और विश्व में घटने वाली दिन-प्रतिदिन की...(50)...का प्रामणिक वर्णन समाचार-पत्र द्वारा ही मिल सकता है। यह जनजागृति का आधार होता है।

49. (a) दृष्टिगत (b) अभिव्यक्त (c) प्रकट (d) प्रस्तुत
50. (a) आपदाओं (b) विपदाओं (c) घटनाओं (d) कलहों

पाठ बोधन/अवतरण परीक्षण

निर्देश : नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उस पर आधारित प्रश्नों के लिए दिए गए संभावित उत्तरों में से एक उपयुक्त उत्तर को चुनिए।

गद्यांश-1

भाषा का प्रश्न अत्यन्त संवदेनशील है, अतएव इस पर बड़ी समझ-बूझ, सहानुभूति और धैर्य से विचार करना आवश्यक है। इस सम्बन्ध में जो भी समाधान ढूँढ़ा जाय उससे यह आभास नहीं होना चाहिए कि एक भाषाई गुट की विजय हुई है और दूसरे की पराजय। कोई भी सर्वमान्य हल निश्चय ही उस भारतीय राष्ट्रीयता की विजय का द्योतक होगा जिसने अतीत में समय-समय पर अपनी शक्ति प्रदर्शित की है। हमने राष्ट्रीयता तो प्राप्त कर ली है, एक राष्ट्रीय पताका भी अपना ली है, परन्तु हम देश के लिए एक संपर्क भाषा संघ की राजभाषा अपनाने के अपने अभीष्ट लक्ष्य पर अभी तक नहीं पहुँच पाए हैं। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने की जी-तोड़ कोशिश करनी होगी। ऐसे मामलों में जल्दबाजी आत्मघाती है, क्योंकि उससे अनेक समस्याएं खड़ी हो जाती हैं, खास-तौर पर लोगों के मन में संदेह और अविश्वास उत्पन्न हो जाता है और ये दोनों ही राष्ट्रीय एकता के कट्टर दुश्मन हैं।

1. उपर्युक्त गद्यांश का मूल कथ्य क्या है?
(a) भाषा विवाद एक गंभीर समस्या है
(b) भारतीय राष्ट्रीयता क्षेत्रीय स्वार्थों पर विजय प्राप्त कर लेने के कारण विशिष्ट है
(c) राजभाषा के सर्वसम्मत हल के बिना राष्ट्रीय एकता सम्भव नहीं
(d) भाषा के प्रश्न को राष्ट्रीय एकता के परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए

2. भाषा विवाद को हल करने में जल्दबाजी से क्या हानि है?
(a) प्रशासनिक समस्याएँ उत्पन्न होती हैं
(b) राजनीतिक विवाद बढ़ जाता है
(c) जनता में संदेह और अविश्वास उत्पन्न होता है।
(d) साम्प्रदायिक सद्भाव समाप्त होता है।

3. भाषा के प्रश्न को हल करने के लिए किस गुण की सर्वाधिक आवश्यकता होती है?
(a) साम्प्रदायिक सद्भाव (b) राजनीतिक चातुर्य
(c) प्रशासनिक दक्षता (d) विवेक धैर्य और सहानुभूति

4. इस गद्यांश का उपर्युक्त शीर्षक क्या है?
(a) हिन्दी का महत्व (b) राष्ट्रभाषा हिन्दी
(c) भाषा विवाद और राष्ट्रीय एकता
(d) राष्ट्रभाषा की तलाश

गद्यांश-2

संसार की दो अचूक शक्तियाँ हैं—वाणी और कर्म, कुछ लोग वचन से संसार को राह दिखाते हैं और कुछ लोग कर्म से। शब्द और आचार दोनों ही शक्तियाँ हैं, शब्द की महिमा अपार है। विश्व में साहित्य, कला, विज्ञान, शास्त्र शब्द-शक्ति के प्रतीक प्रमाण हैं; पर कोरे शब्द व्यर्थ होते हैं। जिनका आचरण न हो कर्म के बिना वचन, व्यवहार के बिना सिद्धान्त की कोई सार्थकता नहीं है। नि:संदेह शब्द-शक्ति महान् है पर चिरस्थाई और सनातनी शक्ति तो व्यवहार ही है। महात्मा गाँधी ने इन दोनों की कठिन और अद्भुत साधना की थी। महात्मा जी का सम्पूर्ण जीवन उन्हीं दोनों से युक्त था। वे वाणी और व्यवहार में एक थे। जो कहते थे वही करते थे। यही उनकी महानता का रहस्य है। कस्तूरबा ने शब्द की अपेक्षा कृति की उपासना की थी क्योंकि कृति का उत्तम व चिरस्थायी प्रभाव होता है। 'बा' ने कोरी शाब्दिक, शास्त्रीय, सैद्धान्तिक शब्दावली नहीं सीखी थी। वे तो कर्म की उपासिका थीं। उनका विश्वास शब्दों की अपेक्षा कर्मों में था। वे जो कहा करती थीं, उसे पूरा करती थीं। वे रचनात्मक कर्मों को प्रधानता देती थीं। इसी के बल पर उन्होंने अपने जीवन में सार्थकता और सफलता प्राप्त की थी।

5. प्राय: सज्जन व्यक्ति संसार को राह दिखाते हैं—
(a) अपनी कार्यकुशलता से (b) अपने कर्म एवं वाणी से
(c) अपनी सेवा भावना से

(d) प्रत्येक व्यक्ति की मदद करने की भावना से

6. जगत् में साहित्य, कला विज्ञान और शास्त्र—
(a) शब्द शक्ति के रूप हैं (b) शब्द शक्ति का ज्ञान कराते हैं
(c) शब्द शक्ति के प्रामाणिक रूप हैं
(d) शब्द शक्ति से अलग नहीं हैं

7. शब्द शक्ति के महान होते हुए भी
(a) व्यवहार की सनातनी शक्ति है (b) व्यवहार भी शक्तिशाली है
(c) व्यवहार भी एक शक्ति के रूप में है
(d) शब्द शक्ति एवं व्यवहार दोनों महान हैं

8. गाँधीजी की महानता यह थी कि वे—
(a) सदैव सत्य का सहारा लेते थे
(b) सदैव हिंसा से अपने आपकों दूर रखते थे
(c) सदैव गरीबों की मदद करत थे
(d) जो कहते थे वहीं करते थे

9. उपर्युक्त अनुच्छेद का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक है
(a) कस्तूरबा और गाँधी (b) महात्मा गाँधी
(c) निष्ठामूर्ति कस्तूरबा (d) वाणी और कर्म

गद्यांश-3

जब आप कार खरीदें, तो जिस मॉडल पर विचार कर रहे हैं उसकी महत्वपूर्ण विशेषताओं की ध्यानपूर्वक परीक्षा कर लिया करें। नवीनतम् मॉडल खरीदने वालों में से बहुतों को यह परेशानी होती है कि उनकी गैराज के लिए कार अधिक चौड़ी या अधिक लंबी निकलती है। इसके अतिरिक्त बड़ी कार को यातायात में मोड़ने-माड़ने में अधिक कठिनाई आती है और उन्हें 'पार्क' करना (बनी जगह पर रखना) अधिक कठिन होता है। अन्य विचारणीय विषय है उस पर कार में दो सुविधाएँ-क्या सीटें अच्छी हैं और उन पर चढ़ा कवर टिकाऊ है? क्या पर्याप्त शीशे का क्षेत्र है जिससे चालक को सभी दिशाओं में अच्छा दिखाई पड़ सके, विशेषत: पीछे के दृश्य को। यह याद रखें कि कार जितनी भारी और अधिक शक्तिशाली होगी, उसका संचालन उतना ही खर्चीला होगा। उच्च शक्ति वाली मोटरों को महंगे उच्च आक्टेन वाले पेट्रोल की आवश्यकता पड़ती है। कार जितनी भारी होगी उतना ही टायर में घिसने-घिसाने का भय होगा और ब्रेकों को अधिक लंबे होने की आश्यकता होगी। पुरानी कहावत अब भी सही है, 'आरंभिक मूल्य उतना प्रभावी नहीं होता है जितना कि वस्तु का रख-रखाव'।

10. लेखक उस कार के पक्ष में है जिसका चौड़ा शीशे का क्षेत्र हो ताकि चालक (ड्राइवर)—
(a) ड्राइव करते समय बाहर के दृश्यों का आनंद ले सके
(b) पीछे का दृश्य उसे अच्छा मिले
(c) शीशों को वह नीचे कर सके ताकि ताजी हवा आ सके
(d) लोगों को गर्व के साथ कुर्सी आदि की साज-सज्जा दिखा सके।

11. एक बड़ी कार का रख-रखाव खर्चीला होता है, क्योंकि—
(a) बड़ी कार भारी होगी
(b) बड़ी कार को पार्किंग के लिए अधिक जगह चाहिए
(c) बड़ी कार के टायरों को बार-बार बदलना होता है।
(d) उसके लिए अधिक टिकाऊ सीट कवर आदि चाहिए।

12. कार खरीदते समय क्रेता को विशेषता ध्यान देना चाहिए—
(a) उसकी कीमत पर (b) उसके रख-रखाव लागत पर
(c) उसके सीट कवर आदि की साज सज्जा पर
(d) उसके ब्रेकों पर

13. इस गद्यखंड के अनुसार, नयी कार के खरीददार को जो दो बातें ध्यान में रखनी चाहिए, निम्नलिखित हैं—
(a) उसकी कीमत और आकार
(b) उसका मॉडल और कुर्सी आदि की साज-सज्जा
(c) उसका आकार और प्रदत्त सुविधाएं
(d) कुर्सी आदि की साज-सज्जा और शीशे का क्षेत्रफल

14. कार का आकार निम्नलिखित के परिप्रेक्ष्य में होना चाहिए—
(a) वह धनराशि जोकि क्रेता देने में समर्थ है।
(b) क्रेता के पास पहले से स्थित गैराज।
(c) क्रेता जहां रहता है वहां की सड़कों की चौड़ाई।
(d) सड़क पर यातायात की मात्रा।

गद्यांश-4

लंदन शहर टेम्स नदी के किनारे बसा हुआ है, जिसका पाट चौड़ा है और पानी गहरा। समुद्र तट के निकट होने और टेम्स नदी में काफी पानी रहने के कारण, लंदन एक विशाल बंदरगाह भी है। वहाँ रोज सैकड़ों जहाज आते-जाते हैं और दूर से देखने पर टेम्स नदी के ऊपर मस्तूलों का जंगल मालूम होता है। यहाँ से पृथ्वी की सभी दिशाओं को माल जाता है और वहां से आता है। लंदन तथा इंग्लिश्स्तान की भोजन-सामग्री का बहुत भाग इसी बंदरगाह पर पहुँचता है। यदि एक सप्ताह के लिए जहाजों का आना-जाना बंद हो जाए, तो इस देश में त्राहि-त्राहि मच जाए। इसलिए ब्रिटिश साम्राज्य ने अपनी नौवहन शक्ति इतनी प्रबल कर ली है कि उससे दुनिया में कोई भी राजशक्ति समुद्री युद्ध में टक्कर नहीं ले सकती।

15. ब्रिटिश साम्राज्य ने अपनी नौवहन शक्ति क्यों इतनी प्रबल बना ली?
(a) कोई शत्रु इसे हरा न सके
(b) कोइ लंदन पर आक्रमण न कर सके
(c) कोई इसके जहाजों का आना जाना न रोक सके
(d) लंदन शहर को कोई क्षति न पहुंच सके

16. '**मस्तूलों का जंगल**' कहने से लेखक का क्या अभिप्राय है?
(a) मस्तूलों की पंक्तियाँ (b) असंख्य मस्तूल
(c) मस्तूलों का आकर्षक दृश्य (d) मस्तूलों की बहार

17. **"त्राहि-त्राहि मच जाने"** का क्या अर्थ है?
(a) हल्ला मच जाना (b) हल्ला-गुल्ला आंरभ होना
(c) शोर-शराबा होना (d) हाहाकार मच जाना

18. '**टक्कर लेने**' का अर्थ है—
(a) तुलना करना (b) मुकाबला करना
(c) टकराना (d) लोहा मानना

19. लंदन बंदरगाह कहां पर स्थित है?
(a) समुद्र तट पर (b) काफी गहरे पानी पर
(c) जहाजों के जंगल में (d) नदी के पट पर

गद्यांश-5

कवि सृष्टि में सौन्दर्य का मर्मज्ञ है। वह एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा सृष्टि का सौन्दर्य देखा जा सकता है। कवि सौन्दर्य का उपभोग करता है और जब उन्मत्त हो जाता है तब उसके प्रलाप रूप में उसकी उन्मत्तता का कुछ प्रसाद सहृदयों को मिल जाता है। कवि का यह प्रलाप ही काव्य कहलाता है। तत्त्ववेत्ता और कवि में अन्तर है। तत्त्ववेत्ता मस्तिष्क का निवासी है और कवि हृदय का। **हृदय त्रिगुणात्मक सृष्टि का केन्द्र है।** उसी केन्द्र में स्थित होकर कवि सृष्टि का निरीक्षण करता है। हृदय मनुष्य मात्र के हैं, पर कुछ तो हृदय के मर्म को समझते ही नहीं; कुछ समझते तो हैं पर उनकी वाणी में इतनी शक्ति नहीं होती कि वे उसे प्रकट कर सकें। कवि हृदय की बातें समझता भी है और उसे वह कह भी सकता है। साधारणजन और कवि में यही अन्तर है।

20. सहृदय कवि के माध्यम से सौन्दर्य का आस्वादन इसलिए कर पाता है, क्योंकि—
(a) कवि स्वयं सौन्दर्य का मर्मज्ञ होता है
(b) कवि सौन्दर्य का निरीक्षण और पर्यवेक्षण करता है
(c) कवि सौन्दर्यानुभूति करता है
(d) प्रलाप रूप में कवि सौन्दर्य का वास्तविक अंकन कर जाता है

21. कवि की रचना एक प्रकार का प्रलाप होती है, क्योंकि—
(a) कविता में तथ्यों को नहीं भावनाओं को अधिक महत्व दिया जाता है
(b) कविता की सौन्दर्यानुभूति की सहज उच्छ्लन होती है
(c) कवि विक्षिप्त प्राणी होता है और कविता उसके तार्किक-अतार्किक बिम्बों का चित्रण
(d) कविता में तर्काधारित चिंतन के स्थान पर कल्पना को वरीयता मिलती है

22. तत्त्ववेत्ता और कवि में मुख्य अन्तर यह है कि तत्त्ववेत्ता—
(a) चिंतन को अधिक महत्व देता है
(b) अलौकिक आनन्द तक पहुँचता है, कवि लौकिक आनन्द की सृष्टि करता है
(c) दर्शन की बात करता है कवि उसे व्यावहारिक रूप देता है
(d) ब्रह्म विषयक चिंतन करता है, कवि स्वयं ब्रह्म होता है।

23. कवि साधारण जन से इस अर्थ से भिन्न है कि वह—
(a) रचना करता है और साधारण जन उसका श्रोता होता है
(b) मनोभावों को शाब्दिक अभिव्यक्ति देता है, साधारण जन के लिए यह संभव नहीं है
(c) समाज का मन-मस्तिष्क होता है, साधारण जन उसके निरीक्षण का विषय होते हैं
(d) हृदय का मर्म समझ सकता है, साधारण जन ऐसा नहीं कर सकता

24. **'हृदय त्रिगुणात्मक सृष्टि का केन्द्र है।'** पंक्ति से लेखक का अभिप्राय है—
(a) त्रिगुणात्मक सृष्टि में कवि के लिए हृदय ही सर्वाधिक महत्वपूर्ण है
(b) त्रिगुणात्मक सृष्टि में अधिकांश जन हृदय को मस्तिष्क पर वरीयता देते हैं
(c) दैहिक, दैविक और भौतिक तीनों गुण हृदय मे ही वास करते हैं
(d) सत् रज और तम तीनों गुणों का वास हृदय में ही होता है।

काव्यांश-6

निम्नलिखित काव्य पंक्तियों से तीन प्रश्न पूछे गए हैं। विकल्प के रूप में चार उत्तर दिए गए हैं, जिसमें से एक सही है। सही उत्तर को लिखें—

'सांप!
तुम सभ्य तो हुए नहीं
नगर में बसना
भी तुम्हें नहीं आया,
एक बात पूछूं (उत्तर दोगे?)
तब कैसे सीखा डसना?
विष कहां से पाया?

25. कविता का शीर्षक हैं—
(a) नगर (b) जीवन (c) सांप (d) डसना

26. इस कविता के रचनाकार हैं—
(a) निराला (b) अज्ञेय (c) मुक्तिबोध (d) नागार्जुन

27. कविता किस धारा की है?
(a) प्रगतिवादी (b) रहस्यवादी (c) छायावादी (d) आधुनिक

गद्यांश-7

मैथिलीशरण गुप्त चेतना और इसके विकसित होते हुए रूप के प्रति पूर्णत: सजग थे। इसकी स्पष्ट झलक इनके काव्य में मिलती है। राष्ट्र की आत्मा को वाणी देने के कारण ये राष्ट्रकवि कहलाए और आधुनिक हिंदी काव्य की धारा के साथ विकास पथ पर चलते हुए युग प्रतिनिधि कवि स्वीकार किए गए। जो कवि युग के आदर्श, भाव, चरित्र और जीवन की नई कल्पनाओं को सुंदर काव्य कौशल में अभिव्यक्त कर सकता है। वही युग कवि है। जाति का साहित्य उसका जीवित चित्र होता है। गुप्तजी ने इस चित्र को चालीस वर्ष तक नए-नए रंगों से चित्रित किया है। साहित्य जगत् के शून्य को जैसे उन्होंने भाव-प्रवण कविता से भर दिया हो। पंचवटी, जयद्रथ-वध, भारत-भारती और साकेत ने भारतीय संस्कृति को उजागर किया है। "हम क्या थे, क्या हो गए, क्या होंगे अभी, आओ सोच लें ये समस्याएं मिलकर सभी" परतंत्र भारत की स्वतंत्रता का यह काव्य बिगुल राष्ट्रकवि और 'भारतीय आत्मा' ने ही बजाया था।

28. मैथिलीशरण गुप्त राष्ट्रकवि कहलाए, क्योंकि—
(a) उन्होंने राष्ट्र की आत्मा को वाणी दी
(b) वे चेतना के विकसित रूप के प्रति सजग थे
(c) वे युग प्रतिनिधि कवि भी स्वीकार किए गए थे
(d) वे नई-नई कल्पनाओं को अभिव्यक्ति देते थे

29. प्रथम वाक्य में चेतना शब्द के पूर्व कौन सा विशेषण लगाना उपयुक्त होगा?
(a) समग्र (b) युगीन (c) तत्कालीन (d) बहुमुखी

30. मैथिलीशरण गुप्त को युग प्रतिनिधि कवि स्वीकार किया गया है—
(a) भाव प्रवण कविता के कारण
(b) जातीय साहित्य लिखने के कारण
(c) काव्य कौशल को अभिव्यक्त करने के कारण
(d) विकास की धारा को आगे बढ़ाने के कारण

Gupta Classes

शुद्ध एवं अशुद्ध वाक्य

निर्देश (1-6) : निम्नलिखित प्रश्नों के दिए गए वाक्यों के काले (bold) भाग में कुछ न कुछ त्रुटि है, उसके शुद्ध रूप को नीचे के विकल्प से ज्ञात कीजिए। यदि काले भाग में कोई भाग में कोई गलती न हो तो अपने उत्तर के रूप में (D) अर्थात् कोई सुधार आवश्यक नहीं है, को इंगित कीजिए

1. माली तुरंत **पके और मीठे** फल वृक्षों से तोड़ लेता है
(a) जल्द ही पके और मीठे फल
(b) आधे पके और आधे अनपके
(c) पके और मीठे फल
(d) कोई सुधार आवश्यक नहीं है

2. समाज एवं देश के बहुमुखी विकास के लिए तन, मन, धन से प्रयत्न करना होगा। **केवल मात्र कागजी योजनाओं** से कोई लाभ नहीं होगा।
(a) केवल सिर्फ कागजी योजनाओं
(b) सिर्फ मात्र कागजी योजनाओं
(c) मात्र कागजी योजनाओं
(d) कोई सुधार आवश्यक नहीं है।

3. बढ़ती महंगाई के **कारण देशी घी खरीदने** की सार्थकता लोगों में नहीं रह गई।
(a) देशी घी खरीद सकने की इच्छा
(b) देशी घी खरीद करने की सामर्थ्यता
(c) देशी सामान खरीद सकने
(d) कोई सुधार आवश्यक नहीं है।

4. सभी घायल **भर्ती किए गए तथा ध्यान रखा गया**
(a) अंदर दाखिल हुए और ध्यान दिया गया
(b) दाखिल हुए और ध्यान दिया गया
(c) भर्ती किए गए और ध्यान रखा गया
(d) कोई सुधार आवश्यक नहीं

5. उस दिन पहली बार अपने **रिटायरमेंट का झटका महसूस हुआ**
(a) रिटायरमेंट की बात पता चली
(b) रिटायर हो जाने पर आनंदर हुआ
(c) रिटायर हो जाने का दु:ख हुआ
(d) संशोधन आवश्यक नहीं

निर्देश (7-39) : निम्नलिखित प्रश्नों में चार-चार वाक्य दिए गए हैं। इनमें शुद्ध और अशुद्ध दोनों रूप दिए गए हैं, अत: शुद्ध रूप का चयन कीजिए

6. (a) बच्चे छत में खेल रहे हैं
(b) बच्चे छत के ऊपर खेल रहे हैं
(c) बच्चे छत पर खेल रहे हैं
(d) बच्चे छत के अंदर खेल रहे हैं

7. (a) नरेश बहुत चालाक है।
(b) नरेश बड़ा चालाक है।
(c) नरेश चालाक बड़ा है।
(d) चालाक बड़ा है नरेश।

8. (a) मेरी आत्मा पवित्र है।
(b) मेरा आत्मा पवित्र है।
(c) मेरे आत्मा पवित्र है।
(d) आत्मा मेरी पवित्र है।

9. (a) हमें परस्पर एक-दूसरे की सहायता करनी चाहिए।
(b) हमें एक-दूसरे की सहायता करनी चाहिए।
(c) हमें एक-दूसरे की सहायता करना चाहिए।
(d) हमें एक-दूसरों का सहायता करना चाहिए।

10. (a) आजकल बहुत महंगाई है।
(b) आजकल भारी महंगाई है।
(c) आजकल महंगाई भारी है।
(d) आजकल महंगाई बड़ा है।

11. निम्न वाक्य में गलती बताएं—
(a) सेवा करना (b) हमारा कर्त्तव्य है
(c) कोई त्रुटि नहीं (d) त्रुटि है

12. (a) उन्हें एक पुत्र है (b) उनको एक पुत्र है
(c) उनका एक पुत्र है (d) उनके एक पुत्र है

13. (a) अपने सामान को सँभालकर रखिए
(b) अपने सामानों को सँभालकर रखिए
(c) अपने सभी सामानों को सँभालकर रखिए
(d) अपनी सामानों को सँभालकर रखिए

14. (a) जीवन और साहित्य का घोर सम्बन्ध है
(b) जीवन और साहित्य का अपार सम्बन्ध हैं
(c) जीवन और साहित्य का घनिष्ठ सम्बन्ध है
(d) जीवन और साहित्य का घन्ष्ठि सम्बन्ध है

15. (a) आकाशवाणी से यह समाचार कहा गया
(b) आकाशवाणी से यह सामाचार प्रसारित किया गया
(c) आकाशवाणी से यह सामाचार बताया गया
(d) आकाशवाणी से यह सामाचार सुनाया गया

16. (a) माता जी! मुझे आपकी बहुत याद आती है
(b) माता जी! मुझे तुम्हारी बड़ी याद आती है
(c) माता जी! मुझे तुम्हारी बड़ी याद आती है
(d) माता जी! मुझे तुम्हारी मधुर याद आती है

17. (a) बहुत-सी पत्र व पत्रिकाओं का प्रकाशन बन्द हो गया है
(b) बहुत-से पत्र और पत्रिकाओं का प्रकाशन बन्द हो गया है।
(c) बहुत से पत्र अथवा पत्रिकाओं का प्रकाशन बंद हो गया है
(d) बहुत-से पत्रों और पत्रिकाओं का प्रकाशन बंद हो गया है

18. (a) उसका आचरण दुराचरण बुरा है
(b) उसका आचरण बुरा है
(c) उसकी दुराचरण बुरा है
(d) उसका आचरण दुराचरण है

19. (a) ऐसी एकाध बातें और देखने में आती है
(b) ऐसी एकाध बातें और सुनने में आती हैं
(c) ऐसी एकाध बात और सुनने में आती हैं
(d) ऐसी एकाध बातें और जानकारी में आती है

20. (a) बन्दूक एक बहुत उपयोगी शस्त्र है
(b) बन्दूक एक बहुपयोगी अस्त्र-शस्त्र है
(c) एक बन्दूक बहुत उपयोगी अस्त्र-शस्त्र है
(d) बन्दूक एक बहुत उपयोगी अस्त्र है

21. (a) जहाँ तक हमारा विचार तो यही है
(b) जैसा कि हमारा विचार तो यही है
(c) जैसा कि हमारा विचार तो यही है
(d) हमारा विचार तो यही है

22. (a) पिछले सोमवार को स्कूल बन्द था
(b) पिछले सोमवार को स्कूल बंद होना है
(c) पिछले सोमवार को स्कूल बंद रहेगा

Gupta Classes

(d) पिछले सोमवार को स्कूल बंद है

23. (a) तुलसी और सूर ब्रजभाषा के और अवधी के श्रेष्ठ कवि हैं
(b) तुलसी और सूर क्रमश: अवधी और ब्रज के श्रेष्ठ कवि हैं
(c) तुलसी अवधी के श्रेष्ठ कवि हैं ब्रजभाषा के सूर हैं
(d) तुलसी और सूर अवधी के श्रेष्ठ कवि हैं

24. (a) अधिकारियों ने कागजात का निरीक्षण किया
(b) अधिकारियों ने कागजात का परीक्षण किया
(c) अधिकारियों ने कागजात की जांच की
(d) अधिकारियों ने कागजात का अन्वेषण किया

25. (a) भारत में अनेकों जातियां हैं
(b) भारत में अनेक जातियां हैं
(c) भारत में अनकों जाति हैं
(d) भारत में अनक जाति हैं

26. (a) वन में प्रात:काल का दृश्य बहुत ही सुहावना होता है
(b) वन में प्रात:काल के समय बहुत ही सुहावना दृश्य होता है।
(c) वन में प्रात:काल के समय बहुत ही मनोहरी दृश्य होता है
(d) वन में प्रात:काल का दृश्य बहुत ही खूबसूरत होता है।

27. (a) मेरे को घर जाना है (b) मैंने घर जाना है
(c) मुझे घर जाना है (d) मुझकों घर को जाना है

28. (a) आप अत्यंत प्रतिष्ठित रचनाकार है आलोचना जगत के।
(b) आप प्रतिष्ठित रचनाकार हैं आर्थात् आलोचना जगत के।
(c) आलोचना जगत के आप अत्यंत प्रतिष्ठित रचनाकार हैं
(d) आलोचना जगत के अत्यंत प्रतिष्ठित रचनाकार है आप।

29. (a) लहराते खेत हरे-भरे (b) हरे-भरे लहराते खेत।
(c) खेत हरे-भरे लेहराते (d) हरे लेहराते खेत भरे।

30. (a) सभी ने उस मैच को देखा
(b) सबों ने उस मैच को देखा
(c) सबने उस मैच देखा।
(d) सभी यह मैच देखे

निर्देश (31-35) : निम्नलिखित प्रत्येक वाक्य में दिए गये विकल्पों में से शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए

31. (a) बाघ और बकरी एक घाट पानी पीते हैं।
(b) साहित्य और जीवन का अभिन्न संबंध है।
(c) लड़का मिठाई लेकर भागता हुआ घर आया।
(d) वह गीत की दो-चार कड़ियां गाती है।

32. (a) कमीज तो सिल गया, लेकिन बटन नहीं टंका है।
(b) कश्मीर के प्राकृतिक सौदर्यता पर कौन मुग्ध न होगा।
(c) किसी ने मेरी पुस्तक देखी।
(d) मकान की बाईं ओर सड़क है।

33. (a) सारा राज्य उसकी थाती थी
(b) विद्वान रानी मरणासन्न थी
(c) स्मृतियां उस विशाल साहित्य का अंग थीं
(d) राम कहीं काम को जाता है।

34. (a) मै आज प्रात: काल के समय घूमने गया था
(b) उसे एक मोतियों की माला दे दो
(c) मैं रात भर जागता रहा
(d) खरगोश को काटकर गाजर खिलाओं

35. (a) गाँधी जी एक महात्मा थे
(b) मीरा कृष्ण की पूजारिन थीं
(c) हनुमान राम का भक्त था
(d) पेड़ उखड़ गया

निर्देश (36-40) : निम्नलिखित प्रत्येक वर्ग में दिए गये विकल्पों में से अशुद्ध वाक्य का चयन कीजिए–

36. (a) मैंने तो गलत काम करना ही नहीं है
(b) मुझकों तो काम आज समाप्त करना ही पड़ेगा
(c) कृपया दरवाजा बंद कर दें
(d) धूम्रपान करना निषिद्ध है

37. (a) यह कहानी आपके द्वारा पढ़ी जा सकती है
(b) रामायण एक धार्मिक पुस्तक है।
(c) यह मेरा और मेरे भाई का घर है।
(d) स्वतंत्रता दिवस में मंत्रीजी ने झंडा फहराया।

38. (a) देखो शत्रु दौड़ रहा है
(b) मैने आम खाया
(c) लड़ाई में जीत हुई
(d) वह जीत गया

39. (a) लड़की ने मधुर संगीत बजायी
(b) मुझे अपनी कलम दे दो
(c) तुलसी ने अनेक ग्रंथ रचे
(d) उनकी गाड़ी आ गई

40. (a) वे लोग वहां गए
(b) मेरे भाई ने
(c) पिछड़ा वर्ग के लोग
(d) किसी काम में असुविधा नहीं होगी

निर्देश (41-70) : नीचे प्रत्येक वाक्य में तीन शब्द अथवा शब्दों के समूह में (a), (b) और (c) लिखे हैं। इसमें से कोई एक शब्द अथवा शब्द-समूह वाक्य के संदर्भ में सही रूप का प्रयोग नहीं हुआ है। अगर कोई ऐसा है तो चुनिए।

41. तुम कक्षा में (a)/आते हो तो तुम्हारी (b)/किताब साथ (c)/क्यों नहीं लाते। (d)

42. फूल में सुगन्ध (a)/होती है और (b)/तितली के पास (c)/सुंदर पंख। (d)

43. हम निम्नलिखित (a)/राज नगर के (b)/निवासी आपसे (c)/मिलना चाहते हैं। (d)

44. कुमारी विजय लक्ष्मी (a)/कल अपने पति के साथ (b)/नैनीताल जायेंगी। (c)/कोई त्रुटि नहीं। (d)

45. क्या निगरानी (a)/देखभाल (b)/और रक्षा की शक्ति ताले में है। (c)/कोई त्रुटि नहीं। (d)

46. मेरी समझ में (a)/अभी तक यही नहीं आया (b)/कि इस बात का (c)/मेरे से क्या संबंध है। (d)

47. मीठे वचन (a)/उत्तम गुण (b)/बोलना है। (c)/कोई त्रुटि नहीं। (d)

48. उसकी आंखों से (a)/आंसू (b)/बोलना है। (c)/कोई गलती नहीं। (d)

49. जो नारी अपने कामकाज को अपने बच्चों से अधिक (a)/ महत्वाकांक्षी मानती है, (b)/उसे विवाह नहीं करना चाहिए। (c)/सभी उचित हैं। (d)

50. कार्यालय के समय (a)/ में मुझे अवधि (b)/नहीं मिलेगा। (c)/सभी उचित हैं (d)

51. पिताजी के पत्र को पढ़कर (a)/मेरी आंखो से (b) /टपटप आंसू बरसने लगे। (c)/सभी उचित हैं (d)

52. इस समय उसकी आयु (a)/लगभग (b)/तीस वर्ष है। (c)/सभी उचित हैं। (d)

53. दोनों युवक (a)/रेलवे स्टेशन में (b)/से लौट आए थे। (c)/सभी उचित हैं। (d)

54. स्त्री का हृदय गुलाब की पंखुड़ियों की तरह (a)/अत्यन्त कोमल(b)/एवं संवंदनशील होता है। (c)/कोई त्रुटि नहीं (d)

55. हमारी सौभाग्यवती (a)/कन्या का विवाह (b)/होने जा रहा है (c)/ कोई त्रुटी नहीं (d)

56. एक पानी का (a)/ गिलास (b)/दीजिए (c)/कोई त्रुटि नहीं (d)

57. तुमसे कई बार कहा गया है कि (a)/दाँतो की सफाई स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, फिर भी (b)/तुम दाँत साफ नहीं किये हो (c)/कोई त्रुटि नहीं (d)

58. इस बार आपको शिकायत का अवसर (a)/न देकर मैं अपनी पूरी शक्ति भर (b)/यह कार्य करने का प्रयास करूँगा (c)/कोई त्रुटि नहीं (d)

59. प्रत्येक देशवासियों को (a)/ देश की सेवा में (b) / तन-मन-धन अर्पण करना चाहिए (c)/कोई त्रुटि नहीं (d)

60. उसकी साँस बहुत भारी (a)/जल्दी-जल्दी (b)/और धीमी चल रही है (c)/कोई त्रुटि नहीं (d)

61. पुरुषों में सिंह के सामन (a)/उद्यमी पुरुष को ही (b)/लक्ष्मी की प्राप्ति होती है (c)/कोई त्रुटि नहीं (d)

62. आतंकवाद शायद एक दिशाहीन (a)/उद्देश्यहीन अंधेरा है (b)/जो विश्वशांति एवं प्रगति को निगल रहा है (c)/कोई त्रुटि नहीं (d)

63. अंधेरी (a)/ रात में (b)/उसे सड़क (c)/नहीं लौकता। (d)/त्रुटिरहित (e)

64. सीता राम की (a)/आज्ञाकारी (b)/पत्नी (c)/थी (d)/त्रुटिरहित (e)

65. दो दिन (a)/ की बदली (b)/के बाद (c)/आज सूरज निकला है। (d)/त्रुटिरहित (e)

66. हम (a)/टी.पी. वर्मा महाविद्यालय (b)/में पढ़े हैं। (c)/ कोई त्रुटि नहीं (d)

67. इन दोनों (a)/में केवल (b)/यही अंतर (c)/है। (d)

68. तुम्हारा (a)/यह कहना (b)/मेरे लिए (c)/बड़ी बात होगी। (d)

69. उसको (a)/शराब की (b)/आदत पड़ गई है (c)/कोई त्रुटि नहीं (d)

70. यह भोजन (a)/मेरे स्वास्थ्य के (b)/अनुरूप नही है (c)/कोई त्रुटि नहीं (d)

Gupta Classes

वाक्य एवं अनुच्छेद क्रम-व्यवस्थापन

निर्देश–दिए गए अनुच्छेदों में पहले और अंतिम वाक्यों को क्रमशः (1) और (6) की संज्ञा दी गई हैं। इनके मध्यवर्ती वाक्यों को चार भागों में बाँटकर (अ, ब, स, द) या (य, र, ल, व) की संज्ञा दी गई है। ये चार वाक्य व्यवस्थित क्रम में नहीं हैं। ध्यान से पढ़कर दिए गये विकल्पों में से उचित क्रम चुनिए, जिससे सही अनुच्छेद का निर्माण हो।

1. (1) जिस प्रकार
(अ) दहकना है उसी प्रकार (ब) उसके स्वभाव का
(स) मनुष्य का धर्म (द) अग्नि का धर्म
(6) पर्याय होना चाहिए
(a) द, अ, स, ब (b) स, अ, द, ब
(c) द, अ, ब, स (d) ब, स, अ, द

2. (1) भविष्य में सरकारी
(अ) उम्मीदवारों को वरीयता (ब) करते समय उन
(स) नौकरियों में भर्ती (द) दी जाएगी जो हिंदी में
(6) काम कर सकते हैं।
(a) स, ब, अ, द (b) स, अ, ब, द
(c) द, ब, स, अ (d) अ, ब, स, द

3. (1) अब तक टीम का
(अ) वह तो जग जाहिर है (ब) जैसा प्रदर्शन रहा है
(स) टीम में परिवर्तन (द) और इस कारण
(6) अवश्यंभावी है
(a) स, ब, अ, द (b) अ, स, ब, द
(c) ब, अ, द, स (d) ब, स, अ, द

4. (1) अपने को
(अ) तथा जीवन में (ब) वांछित उद्देश्य
(स) सफलता प्राप्त करनी है तो
(द) की प्राप्ति करनी है
(6) समय का सदुपयोग करना होगा।
(a) ब, द, अ, स (b) ब, अ, द, स
(c) स, द, ब, अ (d) स, अ, ब, द

5. (1) जब मेरे अंदर
(अ) तब में ईश्वर से बहुत दूर था
(ब) तनिक भी बोध
(स) अहंकार का प्रवेश था (द) अर्थात् मुझे ईश्वर का
(6) नहीं होता था।
(a) स, ब, अ, द (b) स, अ, द, ब
(c) ब, अ, स, द (d) अ, स, द, ब

6. (1) हमारा कर्तव्य है
(अ) और धर्म से ऊपर उठकर (ब) पुष्ट करके देश को
(स) हम जाति, भाषा, सम्प्रदाय (द) राष्ट्रीय एकता को
(6) सबल बनाएं।
(a) य, र, ल, व (b) ल, य, व, र
(c) र, व, ल, य (d) व, र, ल, य

7. (1) यदि हम कहें कि
(अ) तो अनुपयुक्त न होगा (ब) ईश्वर भी धोखे से अलग नहीं
(स) क्योंकि ऐसी दशा में (द) यदि वह धोखा खाता नहीं
(6) तो धोखे से काम अवश्य होता
(a) य, व, ल, र (b) ल, र, य, व
(c) र, य, ल, व (d) व, य, ल, र

8. (1) धनिया ने नाक सिकोड़कर कहा
(अ) उसका नाम सुनकर (ब) मैंने तुमसे सौ बार
(स) मेरे मुँह पर भाइयों का बखान न किया करो
(द) हजार बार कह दिया कि
(6) मेरी देह में आग लग जाती है।
(a) र, व, ल, य (b) व, य, ल, र
(c) य, व, र, ल (d) ल, य, र, व

9. (1) प्राणों के भय से
(अ) रोकते हुए जो साँस खींची (ब) एक लम्बी हिचकी को
(स) उसे अंदर ही रोके रहा (द) तो कई पल वह
(6) फिर सुबकियों में वह धीरे-धीरे टूटी।
(a) य, र, ल, व (b) व, ल, र, य
(c) र, य, व, ल (d) ल, र, य, व

10. (1) सामाजिक जीवन में
(अ) क्रोध की जरूरत बराबर पड़ती है
(ब) मनुष्य दूसरों द्वारा पहुँचाए जाने वाले बहुत से
(स) यदि क्रोध न हो तो (द) कष्टों की चिरनिवृत्ति का
(6) उपाय ही न कर सके।
(a) य, र, ल, व (b) य, ल, र, व
(c) र, ल, व, य (d) व, र, ल, य

11. (1) छात्रावास नवीन वृक्ष की वह कोमल
(अ) मोड़ा जा सकता है
(ब) जिसे अपनी मनचाही अवस्था में सरलता से
(स) और एक बर जिधर आप मोड़ देंगे
(द) और मृदु शाखा है
(6) जीवन भर उधर ही रहेगी।
(a) ल, य, र, व (b) व, य, र, ल
(c) य, र, ल, व (d) व, र, य, ल

12. (1) वह भाषा जो सार्वजनिक हो
(अ) अर्थात् सारे राष्ट्र के निवासियों द्वारा
(ब) और राजनैतिक कार्यों में जिसका प्रयोग किया जावे
(स) बोली और समझी जा सके
(द) साथ ही साथ उसे संविधान द्वारा स्वीकृति प्राप्त हो
(6) ऐसी भाषा को हम राष्ट्रभाषा कहेंगे।
(a) व, र, ल, य (b) र, व, य, ल
(c) य, ल, र, व (d) य, र, ल, व

13. (1) यह वक्त उन बातों का नहीं
(अ) एटम की शक्ति से हारकर (ब) यह हमारा पेशा है, फर्ज है
(स) डॉक्टर! हमें जिंदगी को बचाना है
(द) क्या हम इंसान और इंसानियत को
(6) मरते हुए देखते रहेंगे।
(a) य, र, ल, व (b) र, ल, व, य
(c) व, ल, र, य (d) ल, र, य, व

14. (1) मरुभूमि राजस्थान की प्रत्येक स्थली पर
(अ) यहाँ पद्मिनी और लक्ष्मीबाई ने देश के हितार्थ तलवार धारण की
(ब) जहाँ देवियों ने अपने सतीत्व की
(स) रक्षा के लिए प्राण अग्निदेव को समर्पित कर दिए
(द) वहाँ के वीरों का रक्त प्रवाहित हुआ
(6) और शत्रुओं का मान मर्दन किया।
(a) व, र, ल, य (b) य, र, ल, व

(c) र, व, य, ल (d) ल, व, य, र

15. (1) घड़ी के जब तक सब पुरजे दुरुस्त हैं
(अ) तभी तक उसमें खट-खट (ब) और ठीक-ठीक लगे हुए हैं
(स) टन-टन आवाज आ रही है
(द) जहाँ उसके पुरजों का लगाव बिगड़ा
(6) वहीं न उसकी गति है और न शब्द हैं।
(a) र, य, ल, व (b) य, र, ल, व
(c) ल, र, व, य (d) व, य, ल, र

16. (1) आकाश में जिस प्रकार
(अ) कोमल स्निग्ध किरणें से प्रकाशित होता है, उसी प्रकार
(ब) ज्योतिपुंज का आविर्भाव होना
(स) मानव चित्त में भी किसी शुभ्रोज्ज्वल, प्रसन्न
(द) षोडश कला से पूर्ण चन्द्रमा अपनी सुधाशक्ति
(6) सहज स्वाभाविक है।
(a) र, य, व, ल (b) व, य, ल, र
(c) व, य, र, ल (d) व, ल, र, य

17. (1) कैसी आकस्मिक बात है,
(अ) हमारा कभी का परिचय नहीं
(ब) तुमसे पूछना चाहता था (स) कि ऐसा प्रश्न मैं
(द) फिर भी मेरे बाण से आहत
(6) हरिण को उठा ले आने में तुम्हें संकोच नहीं हुआ।
(a) र, व, य, ल (b) य, ल, र, व
(c) ल, र, य, व (d) व, ल, र, य

18. (1) बोल-चाल की भाषा को अपने भाव वाच्यार्थ में
(अ) अपने शब्दों के आधार पर
(ब) सरल और सजीव बनाने के लिए कतिपय ऐसे
(स) प्रकट नही करने वरन् उनके लक्ष्यार्थ में ही
(द) वाक्यांशों के प्रयोग किए जाते हैं जो
(6) उनका सारा भाव गर्भित रहता है।
(a) र, व, य, ल (b) र, व, ल, य
(c) ल, र, व, य (d) य, र, व, ल

19. (1) जिस जाति से पुरानी कोई जाति
(अ) जो हजार साल से अधिक (ब) इस धरा धाम पर मौजूद नहीं
(स) लुप्त नहीं हुई (द) की घोर पराधीनता सहकर भी
(6) जीती है।
(a) ल, र, व, य (b) य, व, र, ल
(c) य, र, ल, व (d) र, य, व, ल

20. (1) काव्य के विषय में द्विवेदी जी की एक
(अ) विशेष प्रकार की रुचि बन गई थी और चूँकि वे
(ब) कवि की दृष्टि से करते थे अत: अनेक नए काव्यों को, जो
(स) काव्य का अध्ययन आलोचक की दृष्टि से नहीं वरन्
(द) उनके संस्कारों से मेल नहीं खाते थे, मुक्तभाव से स्वीकार करना
(6) उनके लिए कठिन हो जाता था।
(a) य, ल, र, व (b) य, व, र, ल
(c) य, व, ल, र (d) य, र, ल, व

21. (1) जंगल में जिस प्रकार
(अ) अपनी संस्कृतियों के द्वारा एक-दूसरे के साथ मिलकर
(ब) अनेक लता, वृक्ष और वनस्पति अपने
(स) अविरोधी स्थिति प्राप्त करते हैं उसी प्रकार राष्ट्रीयजन
(द) अदम्य भाव से उठते हुए पारम्परिक सम्मिलन से
(6) राष्ट्र में रहते हैं।
(a) य, र, व, ल (b) व, र, य, ल
(c) व, य, र, ल (d) र, व, ल, य

22. (1) प्राय: विद्वान् यह मानते हैं कि जीवन का बाहरी पक्ष
(अ) जीवन को प्रेरित करने वाले आदर्श
(ब) जैसे-रहन-सहन, मकान, सड़क, यातायात के साधन आदि
(स) जैसे सत्य, प्रेम, अहिंसा, आदि
(द) सभ्यता के अन्तर्गत आते हैं
(6) संस्कृति के अन्तर्गत आते हैं।
(a) ल, व, य, र (b) व, र, य, ल
(c) र, व, य, ल (d) य, र, व, ल

23. (1) यूनानियों के लिए
(अ) विज्ञान और दर्शन में (ब) क्योंकि सभी दार्शनिक
(स) भौतिक संसार के स्वरूप को
(द) कोई अंतर नहीं था
(6) बदलने का प्रयत्न करने थे
(a) ल, र, व, य (b) य, व, र, ल
(c) व, य, ल, र (d) र, ल, य, व

24. (1) बच्चों ने सच-सच बता दिया
(अ) आग बबूला हो गया (ब) गाड़ी से धकेल दिया
(स) अब तो गाड़ीवान (द) और उसने दोनों बच्चों को
(6) दोनों भाई रोते बिलखते घर पहुँचे।
(a) य, र, ल, व (b) ल, य, व, र
(c) व, य, र, ल (d) र, य, ल, व

25. (1) प्राचीन यूनानियों ने विश्व को
(अ) मन मस्तिष्क के अनुसार कहने लिखने की,
(ब) सौन्दर्य दिया और दिया आजादी
(स) का एक आदर्श-आजादी विचारों की,
(द) किसी भी बात में विश्वास करने या न करने की
(6) और जीवन में आनन्द अनुभव करने की
(a) व, य, र, ल (b) र, ल, य, व
(c) व, र, ल, य (d) य, र, ल, व

26. (1) अंत में
(अ) कहना चाहूँगी कि जब (ब) तो अपने सामने एक लक्ष्य
(स) मैं अपने छात्रों से (द) आप शिक्षा प्राप्त कर रहे हों
(6) निश्चित कर लें।
(a) ल, य , व, र (b) य, र, ल, व
(c) व, ल, र, य (d) र, ल, य, व

27. (1) दूर की बात दूर रहे
(अ) और चले गए (ब) कितने बड़े लाट आए
(स) इस पिछले सौ साल ही में
(द) उनका समय फिर लौट सकता है
(6) कदापित नहीं।
(a) ल, र, य, व (b) र, व, ल, य
(c) य, ल, व, र (d) व, य, र, ल

28. (1) महाराज! यह योजना क्या है,
(अ) करने पड़ेंगे (ब) एक मुसीबत है
(स) उसके अनुसार कितने उलटफेर
(द) कितनी परेशानी होगी
(6) सारी व्यवस्था उलट-पलट हो जाएगी।

Gupta Classes

(a) ल, य, व, र (b) य, र, ल, व
(c) र, ल, य, व (d) व, ल, र, य

29. (1) हमें यह समझ लेना चाहिए कि
(य) एक सुन्दर स्वरूप है और यह भी मानना होगा कि
(र) धर्म की भाषा अधिक स्पष्ट, मूर्त और परिष्कृत
(ल) होती गई है और इसके लिए बहुत हद तक
(व) धर्ममानव जाति की मूलभूत अनुभूतियों का
(6) विज्ञान ही उत्तरदायी है।
(a) य र ल व (b) व ल र य (c) व य र ल (d) र ल य व

30. (1) राहुल सांकृत्यायन-एक ऐसा मनुष्य जो
(य) दुर्भावना से मुक्त है, जिसका दृष्टिकोण विश्व-व्यापी है, जो
(र) आप से आप दौड़ पड़ते हैं, जो अगर यह कहे कि 'मेरे पीछे आओ'
(ल) बुद्ध से मिलता-जुलता है, जो जीव मात्र के प्रति
(व) पूर्ण रूप से सुस्थिर और शांत है, जिसके पास बच्चे
(6) तो मनुष्य उसके पीछे उसी तरह चल पड़ेगा जैसे गौतम या ईसा मसीह के पीछे चलता था।
(a) ल य व र (b) र ल य व (c) व य ल र (d) य व र ल

Gupta Classes